अमर उजाला
14 जुलाई, 2017

एफआरआई में मना वन महोत्सव

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में बृहस्पतिवार को 68 वां वन महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के महानिदेशक डॉ. एससी गैरोला मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

डॉ. गैरोला ने कहा कि पौधा लगाने की प्रवृत्ति युवाओं और विद्यार्थियों के मस्तिष्क में उतारनी होगी। अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाकर हम आने वाली पीढ़ी को एक स्वच्छ पर्यावरण दे सकेंगे।

इस अवसर पर लगभग 1.2 हेक्टेयर में 550 से अधिक सजावटी फूलों को पौधे लगाए गए। इस मौके पर एफआरआई की निदेशक डॉ. सविता, डॉ. केपी सिंह और वेदिका गैरोला सहित संस्थान के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। ब्यूरो

दून दर्पण
14 जुलाई, 2017

वन अनुसंधान संस्थान में मनाया गया 68वां वन महोत्सव

देहरादून 13 जुलाई (**दर्पण संवाददाता**)। वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 13 जुलाई, 2017 को आज 68वां वन महोत्सव–2017 शताब्दी द्वार के समीप लॉरी रोड में मनाया गया। डा0 एस सी गैरोला, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिष्द् इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। डा0 सविता, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देरहादून ने वन अनुसंधान संस्थान एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढाई। 1.2 हेक्टेयर के क्षेत्र के तीन हिस्सों में रोड के किनारे पौधे लगाए गए। 550 सजावटी फूलों के वृक्ष जैसे पीला अमलतास(केसिया ग्लूका), जकरंडा (जकरंडा मिमोसिफलोलिया), गुलमोहर (डिनोनिक्स रिगिया), चांदनी (टबेमाइमोनटाना डाइवरीकेटा), टकोमा (टेकामा स्टेनस) तथा चम्पा (प्लूमेरिया अल्बा) के पौधे वन महोत्सव के इस अवसर पर रोपिण्त किए गए। परिषद के महानिदेशक डा0 एस0सी0 गैरोला ने सभी को सम्बोधित करने हुए कहा कि वृक्ष लगाने की संस्कृति को युवाओं एवं विद्यार्थियों के मस्तिस्क में उतारना होगा। जिसके माध्यम से शहरों तथा गांवों के परिसरों से यह भावी पीढी को प्रदान की जा सकेगी।

डा0 सविता ने भी वृक्षारोपण किया व साथ ही सभी का आहवाहन करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने पर बल दिया जिससे कि हम आने वाली पीढी को एक स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण दे सकें।

संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी डा0 के0 पी0 सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् एवं निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा पीला अमलतास (केसिया ग्लूका) व टेकोमा स्टेनस का पौधा रोपित किया गया व साथ ही वन महोत्सव के इस पावन अवसर पर श्रीमति वेदिका गैरोला, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व वन अनुसंधान संस्थान के उप– महानिदेशक, सहायक महानिदेशक, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व बच्चों ने सकिय रूप से सहभागिता करते हुए वृहद स्तर पर पौधे रोपित किया।

GARHWAL POST
14 July, 2017

68th Van Mahotsav celebrated in FRI

By OUR STAFF REPORTER

DEHRADUN, 13 Jul: Forest Research Institute (FRI) celebrated its 68th Van Mahotsav, today, near the Centenary Gate on Lawrie Road, here, today.

Dr SC Gairola, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education, was the Chief Guest on the occasion. Dr Savita, Director, FRI, along with officials from FRI and ICFRE also participated. An area of 1.2 ha in three patches along the road was planted. As many as 550 flowering ornamental trees like Peela Amaltas (Cassiagluca), Jacranda (Jacrandamimosiflolia), Gulmohor (Denonixregia), Chandini (Tabernaemontanadivaricata), Tecoma (Tecomastans) and Champa (Plumeria alba) were planted during the Van Mahotsav.

During his speech on the occasion, the Director General emphasised that the culture of tree plantation had to be inculcated in the minds of children, students and youngsters, so that the custom of planting trees in cities and urban premises would transmit to future generations. He reiterated that such efforts would not only conserve the trees of the country, but also act as loci of green lungs as well as improve micro climate, aesthetic values in urban and suburban areas where the green cover is drastically dwindling and facing immense biotic pressure.

Dr Savita also planted saplings and encouraged others to plant trees in the vicinity of their households. Publicity & Liaison Officer of Forest Research Institute Dr KP Singh said that the Director General, ICFRE, and the Director, FRI, planted Peela Amaltas (Cassia gluca) and Tecoma (Tecomastans), respectively. Vedika Gairola, wife of the DG, also took part.

On the occasion, DDGs, ADGs, senior officers, scientists, staff and children from ICFRE and FRI actively participated and planted the saplings.

THE HIMACHAL TIMES

14 July, 2017

FRI celebrates 68th Van Mahotsav

DEHRADUN, JULY 13 (HTNS) Forest Research Institute (FRI) celebrated 68th Van Mahotsav, near Centenary Gate on Lawrie Road, here today. Dr SC Gairola, Director General, Indian Council of Forestry Research and Education was the Chief Guest on the occasion.

Dr Savita, Director, FRI along with officials from FRI and ICFRE participated and graced the occasion.

Dr Savita, Director, FRI along with officials from FRI and ICFRE participated and graced the occasion. An area of 1.2 ha in three patches along the road was planted. 550 flowering ornamental trees like Peela Amaltas (Cassiagluca), Jacranda (Jacrandamimosiflolia), Gulmohor (Denonixregia), Chandini (Tabernaemontanadivaricata), Tecoma (Tecomastans) and Champa (Plumeria alba) were planted during Van Mahotsav.

Dr SC Gairola, speaking on the occasion said that the culture of tree plantation has to be inculcated in the minds of children, students and youngsters, so that the custom of planting trees in cities and urban premises would transmit to future generations to come.

He reiterated that such efforts would not only conserve the trees of our country, but also act as locii of green lungs as well as improve microclimate, aesthetic values of dwelling arena in urban and suburban areas where the green cover is drastically dwindling and facing immense biotic pressure.

Dr Savita also planted and encouraged others to plant more and more trees in the vicinity of their households. Publicity & Liaison officer of Forest Research Institute Dr KP Singh told that Director General, ICFRE and the Director, FRI had planted Peela Amaltas (Cassiagluca) and Tecoma (Tecomastans) respectively. Vedika Gairola, wife of DG, ICFRE also planted saplings on this occasion. DDGs, ADGs, senior officers, scientists, staff and children from ICFRE and FRI actively participated and planted the saplings.

हिन्दुस्तान
14 जुलाई, 2017

एफआरआई में रोपे 550 पौधे

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में गुरुवार को 68वां वन महोत्सव मनाया गया। इस दौरान परिसर में विभिन्न किस्मों के 550 फूलों के पौधे रोपे गए। साथ ही लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपने की अपील की गई।

गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में एफआरआई के अधिकारियों और कर्मचारियों ने करीब 1.2 हेक्टेयर के क्षेत्र के तीन हिस्सों में रोड के किनारे पौधे लगाए। जिसमें पीला अमलतास (केसिया ग्लूका), जकरंडा (जकरंडा मिमोसिफलोलिया), गुलमोहर (डिनोनिक्स रिगिया), चांदनी (टेबेमाइमोनटाना डाइवरीकेटा), टेकोमा (टेकामा स्टेनस) और चम्पा (प्लूमेरिया अल्बा) सहित कई प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस दौरान रोपे गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे आईसीएफआरई के डीजी डॉ.एससी गैरोला और एफआरआई की डायरेक्टर डॉ.सविता ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण की अपील की।

आई नेक्स्ट

14 जुलाई, 2017

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

एफआरआई में गुरुवार को 68वां वन महोत्सव मनाया गया. शताब्दी द्वार के समीप लॉरी रोड पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद महानिदेशक डा. एसी गैरोला बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे. इस दौरान 1.2 हेक्टेयर के क्षेत्र के तीन हिस्सों में रोड के किनारे प्लांटेशन किया गया. जिसमें 550 सजावटी फूलों के प्लांट्स में पीला अमलतास, जकरंडा, गुलमोहर, चंपा आदि के पौधे रोपे गए.

राष्ट्रीय सहारा
14 जुलाई, 2017

एफआरआई में मनाया वन महोत्सव

■ न्सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) में बृहस्पतिवार को 68वां वन महोत्सव मनाया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डा. एससी गैरोला ने बतौर मुख्य अतिथि महोत्सव का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर संस्थान की निदेशक डा. सविता समेत तमाम वन वैज्ञानिकों व कर्मचारियों ने परिसर में पौधरोपण भी किया। पीला अमलतास, जकरंडा, गुलमोहर, चांदनी, टेकोमा, चंपा आदि सजावटी फूलों के 550 पौधे रोपे गये। इस अवसर पर आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. गैरोला ने कहा कि प्रकृति में हरियाली का वजूद बनाये रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है। पौधरोपण की संस्कृति को आमजन विशेषकर युवाओं व स्कूली छात्र-छात्राओं को अपने मस्तिष्क में उतारना होगा। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण करने पर भी उन्होंने जोर दिया। एफआरआई की निदेशक डा. सविता ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ व स्वस्थ्य पर्यावरण देने के लिए पौधरोपण जरूरी है। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

संस्थान के परिसर में रोपे गये 550 सजावटी फूलों के पौधे

एफआरआई परिसर में पौधरोपण करते संस्थान के कर्मचारी।

शाह टाईम्स
14 जुलाई, 2017

वृक्ष लगाने की संस्कृति को अपनाना जरूरी: डा. गैरोला

वन अनुसंधान संस्थान में 68वां वन महोत्सव मनाया गया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान में 68वां वन महोत्सव-2017 शताब्दी द्वार के समीप लॉरी रोड में मनाया गया। महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् डा. एससी गैरोला इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे।

निदेशक वन अनुसंधान संस्थान डा. सविता ने वन अनुसंधान संस्थान एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सहभागिता कर कार्यक्रम की शोभा बढाई। 1.2 हेक्टेयर के क्षेत्र के तीन हिस्सों में रोड के किनारे पौधे लगाए गए। 550 सजावटी फूलों के वृक्ष जैसे पीला अमलतास जकरंडा (जकरंडा मिमोसिफलोलिया), . गुलमोहर (डिनोनिक्स रिगिया), चांदनी (टेबेमाइमोनटाना डाइवरीकेटा), टेकोमा (टेकामा स्टेनस) तथा चम्पा (प्लूमेरिया अल्बा) के पौधें वन महोत्सव के इस अवसर पर रोपिण्त किए गए। परिषद् के महानिदेशक डा. एससी गैरोला ने सभी को सम्बोधित करने हुए कहा कि वृक्ष लगाने की संस्कृति को युवाओं एवं विद्यार्थियों के मस्तिस्क में उतारना होगा। जिसके माध्यम से शहरों तथा गांवों के परिसरों से यह भावी पीढी को प्रदान की जा सकेगी। डा. सविता ने भी वृक्षारोपण किया व साथ ही सभी का आहवान करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने पर बल दिया जिससे कि हम आने वाली पीढी को एक स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण दे सकें। संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी डा. केपी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् एवं निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान द्वारा पीला अमलतास (केसिया ग्लूका) व टेकोमा स्टेनस का पौधा रोपित किया गया व साथ ही वन महोत्सव के इस पावन अवसर पर वेदिका गैरोला, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व वन अनुसंधान संस्थान के उप- महानिदेशक, सहायक महानिदेशक, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व बच्चों ने सक्रिय रूप से सहभागिता करते हुए वृहद् स्तर पर पौधे रोपित किया।

THE TRIBUNE
14 July, 2017

FRI celebrates 68th Van Mahotsav

TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, JULY 13
The Forest Research Institute (FRI), Dehradun, today celebrated the 68th Van Mahotsav by planting a large number of trees along Lawrie Road within the institute's sprawling campus here.

Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) Director-General Dr SC Gairola, who was the chief guest, emphasized that youngsters, including students, should be exhorted to plant saplings.

> FRI Director Dr Savita also planted and encouraged others to plant more trees in the vicinity of their households.

He reiterated that such efforts would not only conserve trees of the country, but would also improve micro climate and add to aesthetics in urban and suburban areas where the green cover was drastically dwindling.

FRI Director Dr Savita also planted and encouraged others to plant more trees in the vicinity of their households. Vedika Gairola, wife of DG, ICFRE, senior scientist Dr KP Singh and a large number of FRI officials and their family members were present on the occasion.

A total of over 500 tree saplings, including amaltas, gulmohor, chandini and champa ornamental, were planted.